Test Number: 5 **Program: SPS (UPPSC / Mains) - 2022**

Test Code: 57151 **General Hindi**

General Hindi

सामान्य हिंदी

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 150**

निर्धारित समय : तीन घंटे] **[अधिकतम अंक : 150**

नोट :

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं।

(iii) पत्र, प्रार्थना–पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

किसी भी राष्ट्र की संस्कृति तब तक गूंगी रहती है, जब तक उस राष्ट्र की अपनी वाणी नहीं होती है। राजनीतिक पराधीनता की हमारी बेड़ियाँ जरुर कट गई हैं, किन्तु अंग्रेजी आज भी अंग्रेजी दासता के रूप में हमारे मनोजगत में विद्यमान है। ध्यान देने योग्य बात है कि भाषा परिधान मात्र नहीं वरन राष्ट्र का व्यक्तित्व है। हमारे बहु भाषा–भाषी देश के ही समान रूस भी बहुत–सी भाषाओँ वाला देश है, जहाँ 66 भाषाएँ बोली और लिखी जाती हैं, किन्तु उनकी राष्ट्र भाषा 'रुसी' है। हमारी संस्कृति के गोमुख से निकली हुई सब भारतीय भाषाएँ हमारी अपनी हैं, किन्तु उनमें हिंदी को अपनी व्यापकता एवं आरम्भिक काल से ही जन–विद्रोह और जन–संघर्ष की भाषा होने के कारण राष्ट्र भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी का मानना था कि हिंदी के पास राष्ट्र को जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने इस दिशा में सार्थक प्रयास भी किया था जिसके परिणामस्वरूप इसे संविधान में भी जगह प्राप्त हुआ। परन्तु केवल संविधान में लिख देने मात्र से यह बात पूरी नहीं हो पाती, इसे राष्ट्र के जीवन में प्रतिष्ठित करना होगा, अन्यथा इस स्वतंत्रता का क्या मूल्य है?

विश्व चेतना जगाने से पहले हमें अपने देश में राष्ट्र भाषा की चेतना जागृत करनी होगी।

(क) प्रस्तुत गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। 5

(ख) भाषा को राष्ट्र का व्यक्तित्व क्यों कहा गया है? 5

(ग) प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण कीजिए। 20

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशनुसार उत्तर लिखिए।

निकम्मे रहकर मनुष्यों की चिन्त्नशक्ति थक गई है। बिस्तरों और आसनों पर सोते–सोते मन के घोड़े हार गए हैं। सारा जीवन निचुड़ चुका है। स्वप्न पुराने हो चुके हैं। आजकल कविता में नयापन नहीं, उसमें पुराने ज़माने की पुनरावृति मात्र है। इस नक़ल में असल की पवित्रता का अभाव है। अब तो एक नए प्रकार का कलाकौशलपूर्ण संगीत साहित्य संसार में प्रचलित होने वाला है। यदि वह न प्रचलित हुआ तो मशीनों के पहियों के नीचे दबकर हमें मरा समझिए। यह नया साहित्य मजदूरों के हृदय से निकलेगा। उन मजदूरों के कंठ से यह नई कविता निकलेगी जो अपने जीवन आनन्द के साथ खेत की मेड़ों का, कपड़े के धागों का, जूतों के टांकों का, लकड़ी के रंगों का भेदभाव दूर करेंगें। नंगे सिर और नंगे पांव, धूल से लिपटे और कीचड़ से रंगें हुए वे बेजुबान कवि जब जंगल में लकड़ी काटेंगें तब लकड़ी काटने का शब्द इनके असभ्य स्वरों से मिश्रित होकर वायुयान पर चढ़ दसों दिशाओं में ऐसा अद्भुत गान करेगा कि भविष्य के कलावन्तों के लिए वही ध्रुपद और मलार का काम देगा। कला रूपी धर्म की तभी वृद्धि होगी, तभी नए कवि पैदा होंगें, तभी नए औलियों का उद्भव होगा, परन्तु ये सब के सब मजदूरी के दूध से पलेंगें। शुद्धाचरण, सभ्यता और कविता आदि के फूल इन्हीं मजदूर ऋषियों के उद्यान में प्रफुल्लित होंगें।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। 5

(ख) नवीन साहित्य का प्रमुख विषय क्या होगा और कविता में नवीन विषयों के अभाव का मुख्य कारण क्या है? 5

(ग) प्रस्तुत गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए। 20

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) 'अधिसूचना' को परिभाषित करते हुए मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से चिकित्सकों की सेवानिवृति उम्र बढ़ाने के संदर्भ में एक अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिए। 10

(ख) 'अर्ध–शासकीय पत्र' को परिभाषित करते हुए गृह विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से सचिव, गृह विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजने के लिए अर्ध–शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें राज्य की वर्तमान विधि–व्यवस्था का उल्लेख हो। 10

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए। 10

आध्यात्मिक, वृष्टि, उन्मुख, आम, क्षणिक, आलोक, अंगीकार, नख, आवरण, सुषुप्ति

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित उपसर्गों से एक–एक शब्द की रचना कीजिए। 5

खुश, उन, हम, उप, अनु

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को विलग कीजिए। 5

जुलाब, मिठास, मनुजता, सनसनाहट, ठकुराई

प्रश्न 6. निम्नलिखित वाक्यांशों एवं पदबंधों के लिए एक–एक शब्द लिखिए । 10

(1) सामान्य विचार–विमर्श
(2) रात और संध्या के बीच की बेला
(3) जिसकी जीविका बुद्धि के माध्यम से चलती हो
(4) मछली के समान जिसकी आँखें हो
(5) जिसकी आशा न की गई हो

प्रश्न 7. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। 5

(1) भाग्य पर प्रत्येक व्यक्ति का वश नहीं चलता।
(2) उसने आवाज देकर अपनी बेटी को बुलायी।
(3) राघव का आचरण अच्छा सदाचरण है।
(4) तुलसी और सूर ब्रजभाषा और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं।
(5) आप कहाँ जा रहे हैं।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिए। 5

(1) जमाता
(2) अतिथि
(3) इंकार
(4) महात्म
(5) विषेश

प्रश्न 8. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए । 30

(1) चाँदी का जूता मारना
(2) बाल की खाल निकालना
(3) छप्पर फाड़कर देना
(4) जौहर खुलना
(5) चोर पर मोर
(6) नाई की बारात में ठाकुर ही ठाकुर
(7) घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध
(8) अशर्फी की लूट और कोयले पर छाप
(9) हथेली पर सरसों नहीं जमती
(10) का बरखा जब कृषि सुखाने